प्रश्न पत्र का ब्लू प्रिंट

Blue Print of Question Paper

परीक्षा हायर सेकेण्डरी

कक्षा – 11वी पूर्णाक : 100

विषयः अर्थशास्त्र समय : 3 घण्टे

क्र	इकाई	आवंटित अंक	अंकवार प्रश्नों की संख्या					कुल प्रश्न
			अंक 01 वस्तुष्ठि प्रश्न क्र–1	अंक 03	अंक 04	अंक 05	अंक 06	
1.	अर्थशास्त्र के विकास का ऐतिहासक क्रम	08	1	1	1	–	–	2
2.	उपभोग एंव उत्पत्ति	10	1	–	1	1	–	2
3.	आर्थिक संवृद्धि	10	2	–	2	–	–	2
4.	आर्थिक नियोजन	10	5	–	–	1	–	1
5.	स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन	12	2	–	1	–	1	2
6.	भारतीय अर्थ व्यवस्था के समक्ष चुनौतियाँ	10	1	1	–	–	1	2
7.	ग्रामीण विकास, पर्यावरण एवं संधृतिशील विकास	10	3	1	1	–	–	2
8.	वर्तमान समस्याएँ	10	2	–	1	1	–	2
9.	सॉख्यिकी का परिचय	12	2	–	1	–	1	2
10	केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप	08	2	2	–	–	–	2
	योग	100	20 (1)	05	08	03	03	19 + 1 = 20

निर्देश – कुल अंक के 20 % प्रश्न वस्तु निष्ठ होगे प्रत्येक पर एक अंक निर्धारित है ।

1. कुल 20 अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न निम्न प्रकार से दिये जायेगें। A, B, C, D । ये प्रश्न निम्नलिखित में से कोई चार प्रकार के होंगे –

- ✓ रिक्त स्थान की पूर्ति
- ✓ एक शब्द में उत्तर दीजिये
- ✓ जोड़ी बनाइये ।
- ✓ सही गलत बताइये ।

✓ बहुविकल्पीय प्रश्न सही विकल्प चुनकर लिखिये ।

2. प्र.क्र 2 से 6 अतिलघुउत्तरीय 3 x 5= 15

3. प्र.क्र. 7 से 14 लघुउत्तरीय 4 x 8 = 32

4. प्र.क्र 15 से 17 दीर्घउत्तरीय 5 x 3 = 15

5. प्रक्र. 18 से 20 निबंधात्मक 6 x 3 = 18

- विकल्प वाले प्रश्न समान इकाई एवं समान स्तर के हों ।
- प्रश्न क्रमांक 2 से 20 तक सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये जा सकते हैं।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 01 + 19 विवरणात्मक प्रश्न = कुल प्रश्न संख्या = 20

  अंक 20 + 80 अंक = कुल अंक योग = 100

प्रादर्श प्रश्न पत्र – अर्थशास्त्र
कक्षा –11वीं

समय – 3 घण्टे पूर्णांक –100

निर्देश – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न क्रमाक एक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है ,जो चार भागों में विभाजित है।

(1) प्रश्न क्रमांक 2 से 6 तक अति लघुउत्तरीय प्रश्न हैं ।

(2) प्रश्न क्रमांक 7 से 14 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं ।

(3) प्रश्न क्रमांक 15 से 17 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं ।

(4) प्रश्न क्रमांक 18 से 20 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं ।

विशेष – आंतरिक विकल्प वाले प्रश्न क्रमांक निम्न हैं ।

प्रश्न क्रमांक 5, 6, 13, 14, 16, 17, 19, 20

प्रश्न 1. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिये ।

A - सही विकल्प चुनकर लिखिये – 5

(अ) भारतीय विचारकों में अर्थशास्त्र की रचना निम्नलिखित में से सर्वप्रथम किसने की

(1) महात्मागांधी (2) पंडित नेहरू

(3) प्रो0 मेहता (4) कौटिल्य

(ब) निम्नलिखित मे से कौनी सी विशेषता आर्थिक विकास की नहीं है–

(1) प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि

(2) जीवन स्तर में वृद्धि

(3) अल्पकालीन प्रक्रिया

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

(स) उदारीकरण का उददेश्य है –

(1) उद्योग एवं व्यापार पर प्रतिबंधों में कमी

(2) उद्योग एवं व्यापार को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना

(3) उद्योग विस्तार की स्वतंत्रता

(4) उपरोक्त सभी

(द) कृषि वित्त का गैर संस्थागत स्त्रोत हैं–

(1) सहकारी साख समितियाँ

(2) सरकार

(3) व्यापारी एवं कमीशन एजेन्ट

(4) भूमि विकास बैंक

(इ) भारत में पहली रेल चली –

(1) सन् 1851 (2) सन् 1852

(3) सन् 1853 (4) सन् 1854

B खण्ड '' क '' एवं '' ख '' की सही जोड़ी बनाकर लिखिये – 5

''क''	''ख''
अ. मानवीय आवश्यकताओं की संतुष्टि	1. सन् 1953
ब. प्रथम पंच वर्षीय योजना का प्रारंभ	2. सन् 1991
स. भारत में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण	3. श्रम शक्ति एवं जनसंख्या
द. आर्थिक विकास का निर्धरक तत्व	4. उपभोग
इ. आर्थिक सुधर प्रारंभ हुआ	5. 1 अप्रैल 1951

C रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये – 5

(अ) प्रश्नों की वह सूची जिसमें सूचक स्वयं उत्तर देता है..................... कहलाती है।

(ब) मशीनीकरण .... को हानि पहुचाँता है।

(स) .... किसी श्रेणी का वह पद मूल्य होता है जिसकी आवृत्ति श्रेणी में सबसे अधिक होती है।

(द) रोजगार बीमा योजना सन् .... में लागू की गई ।

(इ) वर्तमान में (2002 से 2007 तक)................ योजना चल रही है।

D सही अथवा गलत बताइये – 5

(अ) जैविक खेती धारणीय कृषि की एक प्रणाली है।

(ब) माध्य का बीज गणितीय विवेचन संभव नही है।

(स) 1991 की नीति में केवल उदारीकरण एवं निजीकरण के विस्तार द्वारा ही आर्थिक सुधार किया गया है।

(द) सन् 2001 की जनगणना के अनुसार देश में प्रति 1000 पुरूषों के पीछे स्त्रियों की संख्या केवल 800 है।

(इ) वृत्त एवं बेलनाकार चित्र त्रिविमा चित्र कहलाते है।

प्रश्न–2 एडम स्मिथ को अर्थशास्त्र का जनक क्यों कहा जाता है। 3

प्रश्न–3 मानवीय पूँजी निर्माण से आप क्या समझते है ,उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिये । 3

प्रश्न–4 नाबार्ड का पूरा नाम बताइये , इसकी स्थापना क्यों हुई? 3

प्रश्न–5 समान्तर माध्य के तीन गुण बताइये। 3

अथवा

मध्यिका की परिभाषा एवं दो गुण लिखिये ।

प्रश्न–6 किसी श्रेणी में व्यक्तियों की क्रम संख्या तथा उनकी आय निम्न प्रकार से है – समान्तर माध्य की गणना कीजिये ।

व्यक्तियों की क्रम संख्या – 1, 2, 3, 4, 5,

आय – 132, 140, 144, 136, 148 3

अथवा

निम्नलिखित संख्याओं का मध्यिका मूल्य निर्धारित कीजिये

5, 12, 9, 15, 18, 22, 25, 35, 32

प्रश्न–7 प्रो. मार्शल तथा रॉबिन्स की परिभाषओं की तुलना किन्ही चार बिन्दुओं पर कीजिये । 4

प्रश्न–8 उपभोक्ता की बचत को परिभाषित कीजिये तथा इसके तीन महत्व लिखिए। 4

प्रश्न–9 आर्थिक विकास से क्या आशय है? इसकी तीन विशेषताओं को बताइये। 4

प्रश्न–10 आर्थिक विकास के किन्ही दो सूचकों की संक्षेप में व्याख्या कीजिये । 4

प्रश्न–11 ऊर्जा के प्रमुख चार स्त्रोतों का वर्णन कीजिए । 4

प्रश्न–12 जैविक खेती से क्या आशय है? इसके तीन लाभ बताइये। 4

प्रश्न–13 अन्तर्राष्ट्रीय प्रवसन के दो लाभ एवं दो हानियाँ तर्क सहित समझाइये । 4

अथवा

साक्षरता का अर्थ बताकर भारत में साक्षरता की स्थिति पर किन्हीं तीन बिन्दुओं पर विवचेना कीजिये

प्रश्न–14 समंकों की कोई भी चार विशेषताओं का वर्णन कीजिये 4

अथवा

सांख्यिकी के प्रमुख चार कार्य लिखिये ।

प्रश्न–15 सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम को उदाहरण एवं चित्र द्वारा समझाइये। 5

प्रश्न–16 आर्थिक नियोजन से आप क्या समझते हैं ? इसकी चार विशेषताएँ बताइये । 5

अथवा

उदारीकरण का अर्थ बताइये । उदारीकरण की नीति अपनाने के कोई चार कारण लिखिये।

प्रश्न–17 भारत की जनसंख्या की पाँच विशेषताएँ लिखिये । 5

अथवा

लिंगानुपात का क्या अर्थ है? भारत में लिंगानुपात में गिरावट के क्या कारण हैं?

प्रश्न–18 परिवहन के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक महत्व की विवेचना कीजिए। 6

प्रश्न–19 बेरोजगारी का अर्थ एवं किन्ही पॉच प्रकारों का वर्णन कीजिये । 6

अथवा

भारत में निर्धनता दूर करने के प्रमुख छः उपायों का वर्णन कीजिये ।

प्रश्न–20 प्राथमिक एंवं द्वितीयक समंक किसे कहते है? दोनों में चार अन्तर लिखिये। 6

अथवा

चित्रमय प्रदर्शन के तीन लाभ एवं तीन सीमाएॅ बताइये ।

आदर्श उत्तर – अर्थशास्त्र
कक्षा –11वीं

उत्तर –1 **A-** सही विकल्प हैं –

अ	(4)	कौटिल्य	5
ब	(3)	अल्पकालीन प्रक्रिया	
स	(4)	उपरोक्त सभी	
द	(3)	व्यापारी एवं कमीशन एजेन्ट	
इ	(3)	1953	

B- सही जोड़ी हैं – 5

अ	ब
(अ) मानवीय आवश्यकताओं की संतुष्टि	(4) उपभोग
(ब) प्रथम पंचवर्षीय योजना का प्रारंभ	(5) 1 अप्रैल सन् 1951
(स) भारत में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण	(1) सन् 1953
(द) आर्थिक विकास का निर्धारक तत्व	(3) श्रम शक्ति एवं जनसख्ंया
(इ) आर्थिक सुधार का प्रारंभ	(2) सन् 1991

C- रिक्त स्थानों में भरे जाने वाले सही शब्द हैं – 5

(अ) प्रश्नावली (ब) पर्यावरण(स) बहुलक (द)सन् 1994 (इ) दसवीं योजना

D- सही उत्तर हैं – 5

अ) सही, ब) गलत, स) गलत, द) गलत, इ) सही

उत्तर–2 एडम स्मिथ पहले अर्थशास्त्री थे, जिन्होंने अर्थशास्त्र को एक अलग शास्त्र के रूप में स्थापित किया ।

एडम स्मिथ – ''अर्थ शास्त्र एक ऐसा विज्ञान है, जो राष्ट्रों की सम्पत्ति की प्रकृति एवं कारणों की जांच पड़ताल से सम्बन्धित है , इस प्रकार यह धन का विज्ञान है।'' (1+2)

उत्तर–3 मानव संसाधन, मानव पूँजी का एक ऐसा संचय है, जिसको अर्थ व्यवस्था का विकास करने में प्रभावपूर्ण ढंग से निवेश किया जा सकता है । जैसे शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य आदि । ये मनुष्य की उत्पादन क्षमता को बढाने में सहायक होते है। 3

उत्तर–4 दिनांक 12 जुलाई 1982 को कृषि एवं ग्रामीण विकास के राष्ट्रीय बैंक (नाबार्ड) की स्थापना हुई । भारत एक कृषि प्रधान देश है । तथा कृषि की स्थिति दयनीय है । कृषि में पूंजी एवं पॅूजी के स्त्रोतों की अत्यंत कमी है। गांव में साहूकार कृषकों का शोषण करते हे । इस सब से बचाव के लिये नाबार्ड की स्थापना की गई जिससे राज्य सरकारों के माध्यम से कृषि वित्त की पूर्ति की जा सके। (1+2)

उ–5 (1) समान्तर माध्य एक सरल माध्य है, इसकी गणना करने के लिये माध्यिका (Medium) के समान न तो पद–मूल्यों को क्रमबद्ध करना होता है, और न ही भूयिष्ठक (Mode) के समान पद मूल्यों का समूहीकरण (Grouping) करना होता है।

(2) यह समंक श्रेणी के सभी पद मूल्यों पर आधारित होता है ।

(3) इसकी बीजगणितीय व्याख्या संभव है। (1+1+1)

अथवा

माध्यिका (Median)

सेक्रिस्टके अनुसार –''माध्यिका किसी समंकमाला का अनुमानित या वास्तविक उस पद का मूल्य होता है जो कि उस वितरण को क्रमबद्ध किये जाने पर दो भागों में विभक्त करता है।''

गुण– 1 माध्यिका को ज्ञात करना एवं समझना अत्यंत सरल होता है ।

2 माध्यिका निश्चित होती है। (1+2)

उत्तर–6 समान्तर माध्य

व्यक्तियों की क्रम संख्या	मासिक आय (रू)	dx (कल्पित माध्य 144 से विचलन)
1	132	–12
2	140	–4
3	144	0
4	136	–8
5	148	+4
N=5		-24 + 04 Σdx =-20

$$a = x + \frac{\Sigma dx}{N}$$

$$= 144 + \frac{-20}{5} = 144 - 4 = 140$$

उत्तर = 140

अथवा

माध्यिका

5, 12, 9, 15, 18, 22, 25, 35, 32

$$M = Size\ of \left(\frac{N+1}{2}\right)^{th} Item$$

$$= \frac{9+1}{2} = 5th\ Item$$

5 वे पद का मूल्य 18 है अतः यही माध्यिका मूल्य है। 3

उत्तर–7 प्रो. मार्शल तथा रॉबिन्स की परिभाषाओं की तुलना 4

अंतर का आधार	प्रो. मार्शल	प्रो. राबिन्स
वर्गकारिणी एवं विश्लेषणात्मक	प्रो. मार्शल की परिभाषा वर्गकारिणी है, इन्होने साधरण असाधरण, सामाजिक, असामाजिक, आर्थिक, अनार्थिक क्रियायें आदि वर्ग बनाये है।	प्रो. रॉबिन्स की परिभाषा में वर्गीकरण नही है । मूलतः विश्लेषणात्मक है।
धन एवं साधनों सम्बन्धी क्रियायें	प्रो. मार्शल के अनुसार अर्थशास्त्र,धन से सम्बन्धित क्रियाओं का अध्ययन करता है।	प्रो रॉबिन्स के अनुसार अर्थशास्त्र,सीमित साधनों के प्रयोग से सम्बन्धित क्रियाओं का विवेचन करता है।
मुद्रा के मापदण्ड	प्रो. मार्शल ने मुद्रा के मापदण्ड के प्रयोग द्वारा अर्थशास्त्र को निश्चितता प्रदान की है।	प्रॉ रॉबिन्स ने मुद्रा के मापदण्ड को अलग करके अर्थशास्त्र में अनिश्चितता ला दी है।
मानव कल्याण का आधार	प्रो. मार्शल के अनुसार मानवीय क्रियाओं का मुख्य उददेश्य मानवीय कल्याण में वृद्धि करना है।	प्रो. रॉबिन्स ने कल्याण को अर्थशास्त्र की परिधि से बाहर रखा है । उनके अनुसार साध्य केवल साध्य होता है। उसके चारों ओर नैतिकता का कोई घेरा नही होता है।

(नोट– उपरोक्त बिन्दुओं के अतिरिक्त बिन्दु लिखने पर भी अंक दिये जाये) (1+1+1+1)

उत्तर –8 उपभोक्ता की बचत की परिभाषा – 'किसी वस्तु के प्रयोग से वंचित रहने की अपेक्षा उपभोक्ता जो कीमत देने को तैयार होता है तथा जो कीमत वह वास्तव में देता है, उसका अन्तर ही अतिरिक्त सन्तुष्टि का आर्थिक माप है। इसको उपभोक्ता की बचत कहते हैं।

महत्व– (1) वस्तु के प्रयोग मूल्य तथा विनिमय मूल्य में अन्तर करने में मदद।

(2) दो देशों की आर्थिक स्थितियों की तुलना में सहायक ।

(3) एकाधिकारी मूल्य निर्धारण में सहायक ।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ की तुलना करने में सहायक ।

(5) राजकोषीय नीति के निर्धारण में सहायक । (1+3)

नोट– उपरोक्त में से किन्हीं तीन का विस्तृत वर्णन किया जाये

उत्तर–9 आर्थिक विकास एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक अर्थ व्यवस्था की वास्तविक राष्ट्रीय आय में दीर्घकाल तक निरन्तर वृद्धि होती है।

विशेषतायें– (1) एक सतत् प्रक्रिया (2) राष्ट्रीय आय में निरन्तर वृद्धि (3) प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि (4) जनसंख्या में वृद्धि (5) जनसामान्य के जीवन स्तर में वृद्धि (6) दीर्घकालीन वृद्धि

(वर्णन लिखने पर पूर्ण अंक दें) (1+3)

उत्तर–10 आर्थिक विकास के सूचक –

(1) राष्ट्रीय आय – प्रो मेयर एवं बाल्डविन, कुजनेट्स आदि अर्थशास्त्री किसी देश की वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि को उस देश की आर्थिक विकास की माप मानते है। वास्तविक राष्ट्रीय आय में यह वृद्धि निरन्तर तथा दीर्घकालीन होनी चाहिये ।

(2) प्रति व्यक्ति आय – आर्थिक विकास का यह एक सुदृढ़ सूचक है। यदि देश में प्रतिव्यक्ति आय में निरन्तर वृद्धि होती है तो आर्थिक विकास भी हो रहा है। यदि तीव्र गति से प्रति व्यक्ति आय बढ़ रही है जो आर्थिक विकास की तीव्र गति से होता है। प्रतिव्यक्ति आय = कुल राष्ट्रीय आय / जनसंख्या

(3) मानव विकास सूचकांक अथवा जीवन की गुणवत्ता सूचकांक में वृद्धि जैसे – शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, कार्यदक्षता में वृद्धि ।

(4) आर्थिक कल्याण में वृद्धि

(इसके अतिक्ति कुछ अन्य बिन्दु लिखने पर भी अंक दिये जायें) (2+2)

उत्तर–11 ऊर्जा के परम्परागत स्त्रोत – कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, विद्युत, गैर परम्परागत स्त्रोत, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो ऊर्जा शहरी एव ंऔद्योगिक अपशिष्टों से ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, लघु जल विद्युत ।

(उपरोक्त स्त्रोतों में से किन्ही चार का वर्णन लिखने पर पूर्ण अंक दे) (1+1+1+1)

उत्तर–12 जैविक खेती पारिस्थितिकी सिद्धान्तों पर आधारित होती है तथा पारिस्थितिकी व्यवहारों को प्रयुक्त करती है, जिसमें रासायनिक आगतों के उपयोग के बिना भूमि की उवर्रता, फसल, पशु स्वास्थ्य, भूमि तथा जल की अच्छी दशा को बनाये रखा जाता है।

लाभ – (1) स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव (2) उत्पादकता में वृद्धि (3) पर्यावरण पर अच्छा प्रभाव (4) जैव विविध्ता का संरक्षण (5) पौष्टिकता में वृद्धि (6) निम्न लागत (7) लाभप्रद उत्पादन (8) विदेशी विनिमय की प्राप्ति

उपरोक्त लाभों में सें कोई तीन वर्णन सहित लिखने पूर्ण अंक दिये जाये । (1+3)

उत्तर–13 अंतराष्ट्रीय प्रवसन के लाभ, तर्क सहित उत्तर–

(1) बेरोजगारी में कमी – क्योंकि बहुत से रोजगार हेतु विदेश चले जाते है।

(2) विदेशी विनिमय की प्राप्ति – विदेशों से लोग अपनी आय देश में स्थित अपने परिवारों को भेजते है।

(3) राज्य की आय में वृद्धि–रोजगार व आय बढ़ने से राजस्व प्राप्ति अधिक

(4) जीवन स्तर में वृद्धि – रोजगार व आय बढ़ने से

(5) कृषि पर जनसंख्या भार में कमी –प्रवसन से कृषि पर निर्भरता कम हो जाती है

अंतर्राष्ट्रीय प्रवसन की हानियाँ, तर्क सहित उत्तर–

(1) ब्रेनड्रेन – अधिक आय प्राप्ति की लालच

(2) कार्यकारी जनसंख्या में कमी – धन अर्जन करने वाले देश छोडकर विदेश चले जाते हैं।

(3) एकल परिवार – संयुक्त परिवार से दूर होकर प्रवासी हो जाते हैं

(4) अपमान – कई बार विदेशी जाति,धर्म या रंग के नाम पर अपमान करते हैं। (2+2)

(वर्णन लिखने पर ही पूरे अंक दिये जाये)

अथवा

साक्षरता का आशय –

सन् 2001 की जनगणना के अनुसार उस व्यक्ति को साक्षर माना गया है जिसकी उम्र सात वर्ष या उससे अधिक है तथा जो किसी भी भाषा में समझकर उसे लिख पढ़ सकता है। ऐसे व्यक्ति को साक्षर नही माना जाता है जो केवल पढ़ सकता है परन्तु लिख नही सकता। विशेषताएँ –(1) साक्षरता दर में वृद्धि (2) पुरूष स्त्री साक्षरता में अंतर (3) राज्यों में साक्षरता दरों में अंतर (4) शहरी एवं ग्रामीण साक्षरता में अंतर (5) विकसित देशों की तुलना में नीची साक्षरता ।

(वर्णन करने पर ही पूर्ण अंक दिये जाये) (1+3)

उत्तर–14 समंकों की चार विशेषताएँ (1) तथ्यों के समूह (2) अनेक कारणों से प्रभावित होते है। (3) इनका संकलन गणना अथवा अनुमान द्वारा होता है। (4) व्यवस्थित ढंग से संकलन (5) सकंलन का पूर्व निश्चित उद्देश्य (6) तुलनीय ।

(किन्ही चार विशेषताओं का वर्ण्न लिखने पर ही पूरे अंक दिये जाये) (1+1+1+1)

अथवा

सांख्यिकीय के चार कार्य –

(1) विशाल एवं जटिल तथ्यों को सरल बनाना ।

(2) तथ्यों को तुलनात्मक बनाना ।

(3) नीति निर्माण में सहायता देना ।

(4) व्यक्तिगत ज्ञान व अनुभव में वृद्धि करना।

(5) अनुमान लगाना ।

(6) वैज्ञानिक नियमों की सत्यता की जाँच।

(वर्णन करने पर ही पूर्ण अंक दिये जाये)

उत्तर–15 सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम किसी मनुष्य के पास किसी वस्तु की मात्रा में वृद्धि होने से जो उसे अतिरिक्त लाभ प्राप्त होता है अन्य बातें समान रहने पर वह वस्तु की मात्रा में होने वाली प्रत्येक वृद्धि के साथ घटता जाता है।

संतरे की इकाईयाँ	सीमान्त उपयोगिता	कुल उपयोगिता
1	8	8
2	6	14
3	4	18
4	2	20
5	0	20
6	–2	17

किसी उपभोक्ता को सन्तरे की विभिन्न इकाईयों से प्राप्त होने वाली उपयोगिता उपरोक्त तालिका में दर्शायी गयी है । तालिका से स्पष्ट है कि सीमान्त उपयोगिता पॉचवी इकाई तक कम होती जाती है। और शून्य हो जाती है। इसके पश्चात् छठी इकाई का उपभोग करने पर सीमान्त उपयोगिता ऋणात्मक हो जाती है। इस तथ्य को चित्र में दर्शाया गया है सन्तरे की इकाई से मिलने वाली सीमान्त उपयोगिता को आयत के द्वारा दर्शाया गया है चित्र से स्पष्ट है कि प्रत्येक अगली इकाई से मिलने वाली उपयोगिता घटने के कारण आयत का क्षेत्र घटता जा रहा है। पॉचवी इकाई पर सीमान्त उपयोगिता शून्य है तथा छठी इकाई पर यह ऋणात्मक हो जाती है। रेखा MU सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम की रेखा है, जो बायें से दायें नीचे की ओर झुकती हैं।

इस तरह का चित्र बनाकर स्पष्टीकरण होना चाहिये ।

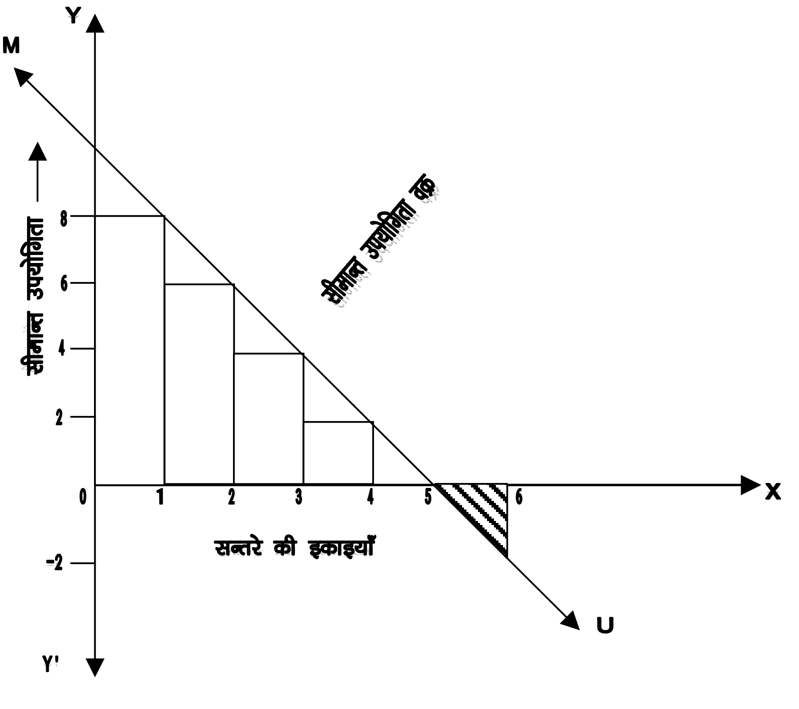

(1+2+2)

उत्तर–16 आर्थिक नियोजन का आशय एक ऐसी प्रक्रिया से हैं, जिसमें एक निर्धारित अवधि में सुनिश्चित एवं स्पष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये आर्थिक शक्तियों का विवेकपूर्ण ढंग से समन्वय एवं नियंत्रण किया जाता है ।

विशेषताएँ– (1) केन्द्रीय नियोजन सत्ता (2) नियोजन निश्चित उददेश्यों हेतु (3) निश्चित अवधि (4) सम्पूर्ण नियोजन (5) प्राथमिकताओं का निर्धारण (6) सामाजिक कल्याण में वृद्धि (7) अर्थव्यवस्था में परिवर्तन (8) दीर्घकालीन प्रक्रिया

उपरोक्त विशेषताओं में से किन्ही चार विशेषताओं का वर्णन लिखने पर ही पूरे अंक दिये जाये) (1+4)

अथवा

उत्तर उदारीकरण का अर्थ – सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में लगाये गये भौतिक नियमों व नियंत्रणों में ढील देने से होता है जब सरकार कर नीति, आयात निर्यात नीति, औद्योगिक नीति, श्रम नीति , वाणिज्यक नीति आदि के माध्यम से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश, उत्पादन विपणन, इत्यादि में नियंत्रणों को हटाती है तो उसे उदारवादी नीति कहा जाता है । इस नीति के अंतर्गत बाजार शक्तियॉ स्वतंत्र रूप से कार्य करती हैं।

(1) देश की आर्थिक विकास में तीव्रगति से वृद्धि करना (2) उसमें आने वाली कठिनाईयों को दूर करना । (3) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार हेतु भारतीय उद्योगों को तैयार करना (4) सार्वजनिक क्षेत्र में गतिशीलता तथा कुशलता लाना ।

वर्णन करने पर ही पूर्ण अंक दिये जाये ।

उत्तर–17 भारत की जनसंख्या संरचना की विशेषताएँ –

(1) जनसंख्या का आकार तथा वृद्धि दर (2) जनसंख्या का असमान वितरण
(3) जनसंख्या के घनत्व में असमानता (4) प्रत्याशित आयु
(5) ग्रामीण और शहरी जनसंख्या (6) वय मूलक रचना
(7) जन्म दर व मृत्य दर (8) जनसंख्या का व्यवसायिक वितरण ।

(संक्षिप्त वर्णन लिखना अनिवार्य है। (प्रत्येक बिंदु पर 1 अंक)

(1+1+1+1+1)

अथवा

लिंगानुपात – लिंगानुपात को इस रूप में परिभाषित किया जाता है कि प्रति 1000 पुरूषों के अनुपात में स्त्रियों की संख्या कितनी है , इसमें एक निश्चित समय पर समाज में स्त्री पुरूषों के बीच संख्यात्मक समानता का ऑकलन किया जाता है। भारत में स्त्री पुरूष अनुपात अर्थात् लिंगानुपात सदैव स्त्रियों के प्रतिकूल रहा है। सन् 1901 में यह अनुपात 972 था जो वर्तमान में 933 हैं ।

गिरावट के कारण

(1) भारत में लड.कियों की देखभाल कम होती है, जिसके कारण बाल्यकाल अथवा प्रसूति अवस्था में उनकी मृत्यु हो जाती है।

(2) देश में पुरूष शिशु के प्रति अनुराग अध्कि है ।

(3) छोटी उम्र में मातृत्व भार वहन करने के कारण तथा परिवार नियोजन के अभाव में बार बार सन्तान पैदा करने के कारण काफी संख्या में स्त्रियों की मृत्यु हो जाती है।

(4) जनगणना के समय प्रायः स्त्रियों की गणना सही ढंग से नहीं हो पाती है। (1+4)

उत्तर–18 परिवहन का महत्व –

अ– आर्थिक महत्व–(1) संसाधनों का उपयोग (2) बाजार का विस्तार (3) श्रम की गतिशीलता (4) औद्योगिकरण (5) कृषि का विकास (6) उपभोक्तओं की सन्तुष्टि (7) कीमतों में स्थिरता (8) तीव्र आर्थिक विकास

ब– सामाजिक महत्व –(1) जीवन स्तर में वृद्धि (2) ज्ञान में वृद्धि (3) अन्य लाभ

स– राजनीतिक महत्व – (1) देश की सुरक्षा एवं शान्ति (2) राजस्व की प्राप्ति (3) रोजगार में वृद्धि

(उपरोक्त बिन्दुओं का संक्षिप्त वर्णन लिखना अनिवार्य है ।) (2+2+2)

उत्तर–19 बेरोजगारी का आशय रोजगार के अवसरों की तुलना में मानव शाक्ति के आधिक्य की स्थिति से लगाया जाता है। इस प्रकार ऐसे व्यक्ति जो कि प्रचलित मजदूरी दरों पर कार्य करने की इच्छा योग्यता एवं सामर्थ्य रखते हुऐ भी कार्य प्राप्त नही कर पाते है, बेरोजगार कहलाते है।

बेरोजगारी के प्रकार

(1) संरचनात्मक बेरोजगारी (2) अदृश्य बेरोजगारी (3) अल्परोजगार (4) खुली बेरोजगारी

(5) मौसमी बेरोजगारी (6) शिक्षित बेरोजगारी (7) चक्रीय बेरोजगारी

(8) प्रतिरोधत्मक बेरोजगारी

(उपरोक्त प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन अनिवार्य है।) (1+5)

अथवा

भारत में निर्धनता दूर करने हेतु उपाय–

(1) आर्थिक विकास की व्यूह रचना में परिवर्तन (2) भूमि सुधार कार्यक्रम (3) सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था (4) रोजगार में वृद्धि (5) कीमत वृद्धि पर नियंत्राण (6) उत्तराधिकार कानूनों मे ंपरिर्वतन (7) आवास सुविधा (8) परिवार नियोजन कार्यक्रमों पर जोर

(किन्ही छः बिन्दुओं का वर्णन करने पर ही पूर्ण अंक दिये जाये । प्रत्येक बिन्दु पर एक अंक दें)

उत्तर–20 प्राथमिक समंक वे होते है जिन्हें अनुसंधानकर्ता द्वारा पहली बार किसी उद्देश्य विशेष की पूर्ति हेतु संकलित किया जाता है। द्वितीयक समंक वे होते है, जिनका संकलन मौलिक रूप में किसी विशेष अनुसन्धान के लिये किया गया हो परन्तु उन्हें दुबारा किसी अन्य अनुसन्धान में प्रयुक्त किया हो ।

	प्राथमिक	द्वितीयक समंक
1.	प्राथमिक समंक मौलिक होते है। अनुसंधाानकर्ता इन्हें स्वयं एकत्रित करता है।	द्वितीयक समंक मोलिक नही होते हैं ये किसी व्यक्ति या संस्थान द्वारा पूर्वकाल में एकत्रित किये जा चुके होते है।
2.	प्राथमिक संमकों के संकलन में धन, समय, परिश्रम, व बुद्धि का प्रयोग करना पड़ता हैं	द्वितीयक संमकों को केवल, उद्यृत करना पड़ता है।
3.	प्राथमिक समंकों के प्रयोग में सावधानी की कम आवश्यकता होती है।	द्वितीयक समंक के प्रयोग में सावधानी की बहुत आवश्यकता होती है।
4.	प्राथमिक समंक अनुसन्धान के सर्वथा अनुकूल होते हैं, इसलिये इनका प्रयोग करते समय किसी संशोधन की आवश्यकता नहीं है।	द्वितीयक समंक किसी दूसरे उददेश्य से संकलित किये जाते हैं, अतः इन्हें वर्तमान उददेश्य के अनुकूल बनाने के लिये संशोधित करना पड़ता है।

(2+4)

अथवा

चित्रमय प्रदर्शन की उपयोगिता (कोई तीन)

(1) तथ्यों को सरल व बोधगम्य बनाना (2) आकर्षक एवं प्रभावी

(3) समय व श्रम की बचत (4) तुलनात्मक अध्ययन संभव

(5) व्यापक उपयोगिता (6) विस्तृत जानकारी प्रदान करना।

सीमाएँ (कोई तीन)

(1) सीमित उपयोगिता (2) अत्यन्त सूक्ष्म या विशाल अन्तर प्रदर्शित करना संभव नहीं (3)बहुगुणीय सूचनाओं का प्रदर्शन संभव नहीं । (4) समंकों का गुण व स्वभाव मे समान होना। (5) तथ्यों का यथार्थ प्रदर्शन संभव नही । (6) दुरूपयोग संभव (7)सीमित निर्वचन व विश्लेषण।

(प्रत्येक का वर्णन करने पर ही पूर्ण अंक दें) (3+3)